गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण महाकुंभ से पहले पूरा होगा, काम में तेजी के निर्देश

दिसंबर से पहले हो सकता है गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: अगले वर्ष प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ से पहले गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के अधिकारियों को गंगा एक्सप्रेस के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के शेष बचे 1:.5% कार्य को जल्द पूरा कर दिसंबर से पहले उद्घाटन कराने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को पर्यटन भवन में उन्होंने यूपीडा के विकास कार्यों की समीक्षा की और कहा कि मेरठ सहित 12 जिलों को प्रयागराज से जोड़ने और यात्रा की अवधि कम करने के लिए ही 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जा रहा है। इससे महाकुंभ-2025 के दौरान लाखों लोगों को प्रयागराज पहुंचने में आसानी रहेगी। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का कार्य 30 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। औद्योगिक विकास मंत्री ने गाजीपुर से मांझीघाट तक 131 किलोमीटर लंबी ग्रीन फील्ड परियोजना एनएच 31 की प्रगति की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के लिए

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी बुधवार को यूपीडा विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते • सूचना विभाग

बलिया लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा

822.05 हेक्टेयर भूमि के सापेक्ष 744 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण व क्रय करने का कार्य पूर्ण हो चुका है। मंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे व गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 28 जिलों में 29 स्थलों पर औद्योगिक कारिडोर विकसित किए जाने के लिए 12,000 एकड़ के भूमि क्रय किए जाने का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अभी तक 8,000 एकड़ भूमि क्रय की जा चुकी है।

यूपीडा के अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश डिफेंस कारिडोर के सभी छह नोड में 1,649 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। इसमें से 1,301 हेक्टेयर भूमि कंपनियों को आवंटित की जा चुकी है। अभी तक 8,000 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। पांच प्लांटों में उत्पादन भी शुरू हो गया है। कानपुर नोड में इजरायल की कंपनियां निवेश के लिए आ रही हैं। उन्होंने एक्सप्रेसवे पर चलने वाले सभी वाहन तथा एंबुलेंस, जीपीसी की सुविधा युक्त कैटल कैचर क्रेन की लाइव लोकेशन यूपीडा के मुख्यालय में स्थित बोर्ड रूम में दिखाए जाने जाने के निर्देश दिए।